H82 1121 84

रोक्स्ट्रो थे. थी. (वो.एत.)-127

REGISTERED NO. D (D.N.) 127



असाधारगा EXTRAOR DIMAR)

भाग I—वण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकृतिकत
PUBLISHED BY AUTHORITY

. 218]

नहीं दिल्ली, गुक्रवार, अन्तूबर 14, 1988/आन्विन 22, 1910 NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 14, 1988/ASVINA 22, 1910

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संबंधा की <mark>काती है विश्वकों कि बह अश</mark>ग संबालन के क्य में रखा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as separate compliation

वाणिषय मन्नालय

नई विल्ली, 14 मन्त्यर, 1988

संबह्ध

सं. 1/6/86-ई. पी. - इस मंत्रालय के दिनांक 31 दिसम्बर, 1980 के संकल्प संख्या (15)/78 ई. पी. तथा दिनांक 21 नवम्बर, 1983 के संकल्प संख्या 1/5/82-ई. पी. 2

के रूप में प्रामे मंशोधित संकल्प में प्रांशिक संशोधन करते हुए यह मंत्रालय इसमें निम्नलिखित संशोधन करता है:---

- (1) वर्तमान पैरा 7 में उप पैरा (ii), (iii) तथा (xxi) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा ----
 - "(ii) पूंजीगत मiल, संघटक, कच्चे माल, फालतू पुरजे, उपमोक्ता वस्तुएं, कार्यालय उपस्कर, कच्चा माल तैयार करने वाला उपस्कर जैसे फोर्क-लिपट्स, ओवर हैडकेन्स के भ्रायात पर भ्रायात शुरुक की छुट होगी।
 - (iii) इन द्यायातों पर कोई भी प्रति पूर्ति लाइसेंस स्वीकार्य नहीं होंगे।
 - (xxi) इकाई घरेलू बाजार में ग्रयने उत्पादन की सप्लाई कर सकती है बार्सों य ग्रायात नोति के श्रनुरूप हो तया लाइसेंसों और माल पर श्रायात **ग**ल्क की श्रदायणी की शतों को पूरा करते हो।"
 - (2) पैरा 7 के वर्तमान उप पैरा (XXV) के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :-(xxvi) इकाई चुनिवां मामलों में वी गई विशेष घनुमति के अन्तर्गत घरेलू बाजार

ग्रपने उत्पादन का 25% तक सप्लाई कर सकती है गर्त यह है कि संदर्भाधीन माल पर लगने वाले उपयुक्त सीमा मुल्क तथा ग्रन्थ मुल्क लगने वाले उपयक्त सामा शुलक तथा मन्य शुलकों/करों की प्रवायनी करनी होनी।

 $(\mathbf{x}\mathbf{x}\ddot{\mathbf{v}}\ddot{\mathbf{n}})$ इकाई अलग-अलग मामलों के ऋधार पर दी जाने वाली विशेष भ्रनुमित

उत्पादन के एक भाग की उपसंविदा कर सकती है। (XXVII) इकाई समय समय पर अध्यक्तर प्रधितियम के अंतर्गत वी जाने वाली रियायत

तया छुटों के लिए पात हीगी।"

अंतर्गस अस्लू टैरिफ क्षेत्र में स्थित इकाइयों के निर्माण कार्य के लिए अप

टी. एस. विजयराघवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 14th October, 1988

RESOLUTION

No. 1|6|86-EP.-In partial modification of this Ministry's Resoluti-No. 8 (15) 78-EP dated the 31st December, 1980 and as further; amend vide Resolution No. 1|5|82-EP, dated the 21st November, 1983, this Ministry makes the following amendments to the Resolution:—

- (1) For the existing sub-paras (ii), (iii) and (xxi) of para 7, the following shall be substituted:—
 - "(ii) Import of capital goods, conponents, raw materials, spares, consumables, office equipment, material handling equipments, such as fork-lifts, everhead cranes shall be exempt from import duty.
 - (iii) No replenishment licences would be admissible on these exports.
 - (xxi) The unit can supply its output in the home market provided it is consistent with the import policy, and subject to licences and payment of port duties on the goods."
- (2) After the existing sub-para (xxv) of para 7, the following shall be added:
- "(xxvi) The unit can supply upto 25 per cent of its production in the home market, under special permission accorded in select cases, subject to payment of appropriate customs and other duties taxes as may be leviable on the goods in question.
- "(xxvii) The unit san supply upto 25 per cent of its production in units in the Domestic Tariff Area under special permission accorded on a case to case basis.
- (xxviii) The unit will be eligible to the concessions and exemptions allowed under the Income Tax Act from time to time."

T. S. VIJAYARAGHAVAN, Jt. Secy.